

# CENTRAL UNIVERSITY OF ODISHA, KORAPUT

## OFFICE OF THE PUBLIC RELATIONS

PRESS RELEASE, DATE: 12.12.2023

### **CUO celebrates Bharatiya Bhasha Utsav**

A grand celebration of the "Bharatiya Bhasha Utsav" was organized by the School of Languages, Central University of Odisha, Koraput, on its campus at Sunabeda on 11.12.2023. On this occasion, a humble tribute was paid to the great Tamil poet Subramanya Bharathi. Students were shown his documentary film so that they could become familiar with the poet's entire life. Honorable Vice-Chancellor Prof. Chakradhar Tripathi underlined the importance of multilingualism in India and highlighted the role of the young generation. He said, "The youth will have to come forward in making a developed India. They will have to make themselves multi-dimensional by learning many languages. Our multicultural India is taking steps towards development. We have to work with dedication and service."

Prof. N. C. Panda, Registrar in charge of the University, while sharing his detailed experience, stressed the need for students to consider poet Subramanya Bharati as their ideal. He said that language teaching and culture preservation should be our goals. The rise of Sanskrit and all Indian languages is possible only when students develop an interest in language teaching.

Multilingual poetry-based, and signature campaigns in the mother tongue became special attractions in the Indian Language Festival. Students participated enthusiastically in this. Dr. Rudrani Mahanty, Dr. Satyanarayan Shadhangi, Dr. Ganesh Prasad Sahu, Dr. Virendra Shadhangi, and Dr. Pradeep Chandra Acharya paid tribute to poet Subramanya Bharati. He highlighted various aspects of Indian cultural heritage. Faculty, including Dr. Alok Baral, Mr. Satyavrat Mishra, Dr. Soumya Ranjan Dash, Dr. Mayuri Mishra, and Students were present at large. Dr. Chakradhar Padhan conducted the entire programme.

Dr. Phagunath Bhoi, Public Relations Officer

भाषा संकाय, केंद्रीय विश्वविद्यालय कोरापुट के द्वारा अकादमिक ब्लॉक 3 के सभागार में " भारतीय भाषा उत्सव" का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर सबसे पहले तमिल कवि सुब्रह्मण्य भारती को विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। विद्यार्थियों को उनके वृत्त चित्र दिखाया गया, जिससे वे कवि के समग्र जीवन से परिचित हो सके। अपने सम्बोधन के दौरान माननीय कुलपति प्रो चक्रधर त्रिपाठी जी ने भारत की बहुभाषिकता के महत्व को रेखांकित करते हुए युवा पीढ़ी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि " विकसित भारत बनाने में युवाओं को आगे आना होगा। बहुत सारी भाषाओं को सीखकर अपने आप को बहु आयामी बनाना होगा। हमारा बहुसांस्कृतिक भारत विकास की ओर कदम बढ़ा रहा है। हमें समर्पण और सेवा के साथ काम करने हैं।"

विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव तथा प्रोफेसर नृसिंह चरण पंडा ने अपने विस्तृत अनुभव को साझा करते हुए विद्यार्थियों को कवि सुब्रह्मण्य भारती को आदर्श मानने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भाषा शिक्षण और संस्कृति संरक्षण हमारे ध्येय हों। संस्कृत भाषा के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं का उत्थान तभी संभव है जब विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण की रुचि जगेगी। भारतीय भाषा उत्सव में बहुभाषी कविता आसर और मातृभाषा में हस्ताक्षर अभियान विशेष आकर्षण बने। इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। डॉ रुद्राणी महान्ति, डॉ सत्यनारायण षडंगी, डॉ गणेश प्रसाद साहू, डॉ वीरेंद्र षडंगी और डॉ प्रदीप चंद्र आचार्य ने कवि सुब्रह्मण्य भारती को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पक्षों को उजागर किया। सभागार में डॉ आलोक बराल, श्री सत्यव्रत मिश्र, डॉ सौम्य रंजन दाश, डॉ मयूरी मिश्र समेत शताधिक विद्यार्थी मौजूद थे। पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ चक्रधर प्रधान ने किया।